

— नि 1) *eingehen, sich anschmiegen*: युध्यमाना शरीः — ध्वनिनी न्य-  
गात् । अयोऽन्यम् MBh. 6, 1886. — 2) *gerathen in*: एनो मा नि गाम्  
RV. 10, 128, 4. मा देपती पौत्रमथं नि गीताम् AV. 12, 3, 14.

— निम् *hinausgehen, hervorkommen*: निर्यतूतेव स्वर्धितिः शुचिर्गात्  
RV. 7, 3, 9. निरगात् Bhāg. P. 1, 15, 44. BHATT. 3, 60. KATHAS. 6, 60. निर-  
गान्वै सो ऽत्तःपुरात्पः । निरगादरिर्वर्गस्य हृदयानु ह्नाञ्चरः ॥ 18, 83.  
निरगाच्च मुखात्तस्य स्वात्सा 154. 244. 396. Bhāg. P. 3, 13, 18. 4, 13, 18. 5,  
18, 39. BHATT. 6, 118.

— परा *bei Seite gehen, weggehen, entfliehen*: कं स्विदर्थं परागात् RV.  
1, 164, 17. तिष्ठा सु कं मध्वन्मा परा गाः 3, 53, 2. अयानः AV. 7, 53, 4.

— परि 1) *umgehen, umkreisen*: परि वं मत्त स्रवतो रथो गात् RV. 7,  
67, 8. पञ्च त्तितीः परि स्रवो जिगाति 75, 4. परि वा परित्तुनेत्तुणोगाम-  
विद्विषे AV. 1, 34, 5. स तेनाभिदुतः काकस्त्रील्लोकान्पर्यगात्तः R. 2, 96, 45.  
*sich überallhin verbreiten*: स पर्यगात् Īcop. 8. — 2) *herbeikommen, ge-  
langen zu, erreichen, über Jmdl kommen*: प्र वं घृताची वाह्विर्दधाना प-  
रि त्मना विषुत्रया जिगाति RV. 7, 84, 1. वयो वयो जस्ते पदधानः परि त्म-  
ना विषुत्रयो जिगाति 5, 13, 4. जरा बली च मा तात पलितानि च पर्यगुः  
MBh. 1, 3647. — 3) *umgehen so v. a. ausweichen*: परि वेषस्य दुर्मति-  
र्मकी गात् RV. 2, 33, 14. परि प्रंसमोमना वं वयो गात् 7, 69, 4. *nicht be-  
achten, überhören*: पत्किं च वर्दाम तन्मे मा परिगतिं Ait. Br. 6, 33.  
— 4) *dahinterkommen, eine Kenntniss von Etwas erlangen*: यो ह्यात्म-  
मायाविभवं स्म पर्यगाद्यथा नभः स्वात्तमथापरे कुतः Bhāg. P. 2, 6, 35. BUR-  
NOUF: (*qui*), *semblable au ciel qui ne (!) connaît pas ses limites, n'a  
pu (!) encore atteindre le terme de la puissance de sa Mâyâ*.

— अनुपरि *durchgehen, durchwandern*: यदा च पृथिव्यो सर्वा यजमानो  
ऽनुपर्यगाः MBh. 12, 8081.

— प्र *vorschreiten, fortgehen, gehen, sich in Bewegung setzen*: ऋषा  
ते पादा प्र यजिगीसि RV. 10, 73, 3. मा प्र गाम पश्चा वयम् 37, 1. सूर्याणां  
वक्तुः प्रागात् 83, 13. प्र दीधितिर्जिगाति 3, 4, 3. 7, 104, 17. 8, 48, 2. सो-  
मस्य जिह्वा प्र जिगाति चक्षसा 1, 87, 5. 83, 6. VĀJAS. 1, 2. प्रागाद्विपुरा  
अयम् AV. 5, 28, 9. सा गदा तत्करान्मुक्ता प्रागाद्रिणाजिधंसया MBh. 6,  
2242. Hierher gehört der Form nach das partic. प्रजिगात्, welches Śā.  
zu 2. गा zieht: कदा च प्रजिगति अदेवयोः RV. 1, 130, 2.

— उपप्र *herbeikommen, hinzutreten zu*: उप प्रागाद्विः AV. 1, 28, 1. 6.  
37, 1. उप प्रागाच्छंसं वात्यवी RV. 1, 163, 12. 13. 162, 7. उप देवान्देवी-  
र्विशः प्रागुः VS. 6, 7.

— प्रति *zurückkehren*: स्वधाम प्रत्यगात्प्रभुः Bhāg. P. 4, 20, 27.  
— वि *vergehen, entschwinden*: पूर्णं मे मा विगात् Pār. GRHJ. 2, 16.  
— सम् 1) *zusammenkommen* AV. 19, 37, 2. — 2) *hingehen zu*: परं स-  
मगात्स्वधाम Bhāg. P. 9, 24, 66. ऐश्वरं समगात्पदम् 4, 31, 27.

2. गा (गौ), गायति Dn̄rup. 22, 20. ep. गतिं MBh. 3, 15850. 12, 10299.  
जगौः गायति; अगासीत्, गासिषत्; गेयात् P. 6, 4, 67. Vop. 8, 85. गीत्वा,  
गाय P. 6, 4, 69. Vop. 26, 212; गीयते P. 6, 4, 66; गीतः selten med. *sin-  
gen, in sing. ndem Tone sprechen* (z. B. von der Rede s. d.icher Wesen,  
welche nicht mit Sprache begabt sind, wie die Erde, Götterbilder u. s.  
w.); *in gebundener Rede verkünden; besingen*: गायत्रं तौ गायति RV.  
10, 71, 11. 1, 10, 1. 21, 2. 38, 14. KHAND. UP. 1, 11, 7. इन्द्राय गायत RV. 1, 4, 10.  
पाहि गायान्धो मद् इन्द्राय 8, 33, 4. समीक्षयस्व गायतो नभामि AV. 4,

15, 3. गायद्वाथ सुतसेमो ड्वस्वन् RV. 1, 167, 6. गायत्सामं 173, 1. 2, 43, 2.  
ÇAT. Br. 2, 5, 2, 46. 6, 1, 4, 15. TAITT. UP. 1, 8, 3, 10. स्तिसेमो गीयमानासः  
RV. 6, 69, 2. 8, 2, 14. गायत्तं स्त्रियः कामयत्ते TS. 6, 1, 6, 6. भूमिर्ह जगावि-  
त्युदाहरति Ait. Br. 8, 24. ÇAT. Br. 13, 7, 4, 15. 1, 5, 1. 3, 2, 4, 6. ÇĀNKH.  
Çr. 15, 26, 9. देवतानि गायति KAUC. 108. 93. अतराणि निक्कीडयन्निव गा-  
यति LĀTJ. 7, 12, 9. 13. — न नृत्येद्य वा गायत् M. 4, 64. गायति दिव्यतनिः  
MBh. 2, 133. R. 1, 9, 14. 3, 15, 15. ÇĀK. 4, 8. जगुः कलं च गन्धर्वाः R. 1, 19,  
10. 4, 12. KATHAS. 3, 64. (मृगाः) मनोक्षैः — वाग्भिर्गायतीव R. 3, 78, 12. गी-  
यतो पीयतो च MBh. 1, 7649. ÇĀK. 59, 6. ग्रीष्मसमयमधिकृत्य गीयताम् 4,  
5. जगुश्च — सामानि सामगाः R. 2, 76, 18. जगुर्गीतानि ARĀ. 4, 10. तत्र स्म  
गाया गायति सामा परमवल्गुना MBh. 3, 1733. गीयमानमङ्गल PAÑKĀT.  
138, 2. इदं काव्यमगायताम् R. 1, 4, 13. गीयतामिदमाख्यानम् 10. जगुः श्लो-  
काममम् 2, 42. MBh. 3, 2648. जगाविदम् R. 1, 2, 7. गायति मुक्तांराणि म-  
नोक्षानि 9, 48. गीयतो नाद्योचितं किञ्चित् Dh̄rtas. 68, 17. तवामलं यशो  
गीत्वा Bhāg. P. 7, 8, 54. यं देवं विदुषो गातिं MBh. 3, 15350. वेदाङ्गेषु तु-  
लब्रलीय गीयसे च 1, 1295. MEGH. 57. Bhāg. P. 8, 1, 32. प्रभवत्तस्य गीय-  
से so v. a. *genannt werden* KUMĀRAS. 2, 5. अणीमाण्ड्य इति च ततो लो-  
केषु गीयते MBh. 1, 4329. RAGH. ed. Calc. 8, 30. Von Aussprüchen gros-  
ser Weisen VARĀH. BRH. S. 1, 7. 31, 26. *Jmd (acc.) vorsingen, singend vor-  
tragen*: जगौ जया प्रतीक्षारीः KATHAS. 1, 53. — med.: गीयं त्वा नममा गि-  
रा RV. 8, 46, 17. वृकुडं गायिषे वचः 7, 96, 1. LĀTJ. 1, 8, 7. क्मते गायते चैव  
MBh. 13, 747. इमे च गाये द्वे गायेथाः R. 1, 62, 20. अगायत BRAHMA-P. 53,  
17. MĀRK. P. 29. 43. गङ्गावतरणम् — जगिरे HAMV. 8690. गायमान R. 1, 4, 15.  
Bhāg. P. 3, 13, 18. वाक्यानि मम गाथाभिर्गायमानाः N. 24, 22. — गीर्तं 1) adj.  
*gesungen, in gebundener Rede verkündet, besungen* TRIK. 3, 3, 155. H. a. n.  
2, 166. MED. I. 16. साधु गीतम् schön gesungen ÇĀK. 4, 11. निस्वनः — गी-  
तः R. 3, 13, 19. गाथा वायुगोताः M. 9, 42. गीतः श्लोकैः मक्तात्मना MBh. in  
BENF. CHR. 22, 24. VARĀH. BRH. S. 47, 23. चतुर्भिर्गैः पदैर्गीति मर्कषिणा —  
शोकः R. 1, 2, 43. ÇĀK. 47. — 2) f. छा a) (sc. उपनिषद्) *eine von einem  
inspirierten Weisen in gebundener Rede verkündete Lehre*, s. अगस्त्य°,  
भगवद्°, राम°, शिव°. PRAB. 104, 13. 17. 103, 8 ist unter गीता die भग-  
वद्गीता gemeint. — b) N. eines Metrums (4 Mal —————  
—————) COLEBR. Misc. Ess. II, 163 (XV. 4). — 3) n. *Gesang* AK.  
1, 1, 6, 4. TRIK. H. 279. f. H. a. n. MED. VS. 30, 6. नृत्तं गीतमुपावर्तत ÇAT.  
Br. 3, 2, 4, 6. 1, 4, 15. KĀTJ. Çr. 21, 3, 11. LĀTJ. 7, 7, 32. गीतं करिष्यामि  
PAÑKĀT. 248. 5. गीतज्ञो यदि योगेन नाप्नोति परमं पदम् । रुद्रस्यानुचरो भू-  
त्वा मरु तेनैव मोदते ॥ JĀG. 3, 116. ARĀ. 4, 10. R. 1, 4, 16. 64, 10. SUÇR.  
1, 192, 5. 250. 13. ÇĀK. 5. 164. ÇUK. 39, 11. RT. 1. 3. गीतवादित्रे KHAND.  
UP. 8, 2, 8. R. 1, 9, 8. 3, 13, 7. गीतवादनम् M. 2, 178. गीतनृत्यः (!) R. 1,  
24, 5. — caus. गाययति *singen* —, *besingen lassen* LĀTJ. 1, 3, 8. ÇĀNKH.  
GRHJ. 1, 22. वासवदत्तो तो गाययन् KATHAS. 12, 31. स्वकृतिं गापयामास  
RAGH. 13. 33. जयादाकरणं बाह्यार्गापयामास किन्नरान् 4, 78. 9. 20. गायय-  
न्हरिम् Bhāg. P. 6, 17, 3. कथयन्तमानं गापयिष्याम *sich besingen lassen*  
4, 13, 26. — intens. जेगीयते P. 6, 4, 66. Vop. 20, 4. जेगीयते स्म गन्धर्वाः  
MBh. 12, 12200. जेगीयते pass. VARĀH. BRH. S. 19, 18.

— अचङ्क *herbeisingen, herbeirufen*: अचङ्का वो अग्निमंथसे देवं गामि  
(1. aor. med.) RV. 5, 25, 1.

— अनु 1) *nachsingen*: अनुगोय GOBH. 3, 3, 7. *singen nach, gemäss*: अ-